शिमला में रोहड़ू, जांगला और चड़गांव के उप-डाकघरों के दैनिक मजदूरी वाले कर्मचारियों का नियमित किया जाना

1966. **श्री विठ्ठलभाई मोतीराम पटेल** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में रोहड़ू, जांगला और चड़गांव के उप डाकघरों में कार्यरत दैनिक मजदूरी पर रखे गये कर्मचारियों की संख्या कितनी है और वे कितने समय से कार्य कर रहे हैं;

(ख) क्या सरकार मौजूदा नियमों के अंतगत इन कर्मचारियों को नियमित करने का विचार रखती है; यदि हां, तो कब तक ;

(ग) क्या सरकार अंशकालिक डाकघरों के कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने और इन कर्मचारियों को नियमित करने का भी विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

[illegible] संचार राज्य मंत्री (श्री के. पी. उन्नी कृष्णन) :(क) और (ख) जानकारी उपलब्ध नहीं है तथा प्राप्त होने पर वह सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

(ग) और (घ) कार्यभार के आधार पर समय-समय पर उनके वेतन में वृद्धि की जाती है और विभागीय परीक्षा के माध्यम से उन्हें नियमित किया जाता है । तथापि, उनके नियमित करने के लिए कोई सुनिश्चित समयावधि निर्धारित नहीं की जा सकती ।

राजस्थान में टेलीफोन डायरेक्ट्री की सप्लाई

1967. **डा. अबरार अहमद खान** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान के विभिन्न जिलों में अब तक वितरित की गई टेलीफोन डायरेक्टरी का संस्करण कौन से वर्ष का है और जब कि प्रत्येक वर्ष नई डायरेक्टरी के वितरण का प्रावधान है, उसके वितरण में विलम्ब होने के क्या कारण हैं तथा इसके लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के क्या नाम हैं;

(ख) क्या वर्ष के मध्य में परिवर्तित किये जाने वाले टेलीफोन नम्बरों के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) टेलीफोन के लगने के कितने दिन पश्चात् 197 से उस टेलीफोन नम्बर के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है ?

[illegible] संचार राज्य मंत्री (श्री के. पी. उन्नी कृष्णन) :(क) से (ग) अपेक्षित जानकारी विवरण में दी गई है जिसे सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) राजस्थान के विभिन्न दूरसंचार जिलों में टेलीफोन डायरेक्ट्रियों की आपूर्ति की स्थिति इस प्रकार है :

क्र०सं०	दूरसंचार जिले का नाम	आपूर्ति टेलीफोन डायरेक्ट्री के अंतिम संस्करण का वर्ष
1	2	3
1.	अजमेर . .	1986
2.	अलवर . .	1989

1	2	3
3.	बांसवाड़ा	1986
4.	बारमेर	1989
5.	बीवर	1986
6.	बीकानेर	1989
7.	भरतपुर	1989
8.	भीलवाड़ा	1986
9.	जयपुर	1986
10.	जोधपुर	1989
11.	कोटा	1989
12.	नागौर	1989
13.	पाली	1986
14	सीकर	1989
15.	श्रीगंगानगर	1989
16.	सवाई माधोपुर	1989
17.	उदयपुर	1987

जयपुर, उदयपुर, अजमेर, बांसवाड़ा, भीलवाड़ा, पाली और ब्यावर दूरसंचार जिलों में टेलीफोन डायरेक्ट्रियों की आपूर्ति, ठेकेदारों द्वारा अपने वायदे पूरे करने में असफल रहने के कारण और इन मामलों में आई कानूनी अड़चनों के कारण देरी से हुई ।

(ख) जी हां। क्षेत्र परिवर्तन के कारण उपभोक्ताओं को समाचार पत्रों में विज्ञापित अधिसूचनाओं के माध्यम से और व्यक्तिगत सूचना भेजकर टेलीफोन नम्बरों में परिवर्तन की जानकारी दी जाती है।

(ग) टेलीफोन की संस्थापना के बाद नये टेलीफोन की जानकारी, एक-दो दिन के भीतर आम तौर पर "197" पर उपलब्ध होती है ।

जयपुर और सवाई माधोपुर के बीच खराब लाइनों के कारण ट्रंक कालों में विलम्ब

1968. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि जब कभी भी दिल्ली से सवाई माधोपुर के लिए ट्रंककाल बुक कराई जाती है तो यह कहा जाता है कि जयपुर और सवाई माधोपुर के बीच टेलीफोन लाइन खराब है और इसलिए दो दिन तक भी सम्पर्क स्थापित करना संभव नहीं हो पाता है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार इस स्थिति को सुधारने के लिए कोई कदम उठा रही है ;